कथाकार प्रेमभूषण ने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन किये

पहले घर का चिंतन करें : आचार्य महाप्रज्ञ

बीदासर 29 जनवरी, 2009।

प्रसिद्ध कथाकार आचार्य प्रेमभूषण ने राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाप्रज्ञ के दर्शन किये। संक्षिप्त में वार्तालाप के दौरान आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि राम ने पहले घर की चिंता की। घर की शांति के लिए राज्य को छोड़ दिया, तभी मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाएं।

उक्त विचार उन्होंने तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवरण में व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र में शांति के लिए पहले प्रत्येक घर में शांति स्थापित होनी जरूरी है। इसलिए पहले घर का चिंतन करें। उन्होंने अपनी बहुचर्चित औति ''परिवार के साथ कैसे रहें'' का उल्लेख करते हुए कहा कि आज घरेलु हिंसा ज्यादा बढ़ रही है। इस हिंसा को सबसे पहले खत्म करने की जरूरत है। इस औति में हमने परिवार में सौहार्द, शांति की चर्चा की है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने जैन विश्व भारती, जीवन विज्ञान, अहिंसा प्रशिक्षण के द्वारा जीवन निर्माण के कार्यों की जानकारी दी। कथाकार आचार्य प्रेमभूषण ने जैन विश्व भारती का अवलोकन करने की इच्छा जताई। इस मौके पर मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति के अध्यक्ष बाबूलाल सेखानी ने आचार्य प्रेमभूषण को साहित्य भेंट किया।

छापर में चतुर्मास की जोरदार अर्ज – तेरापंथ के अष्टमाचार्य कालूगणी की जन्मभूमि एवं औष्णमृगों के कारण चर्चित छापर से संघ के रूप में उपस्थित हुए श्रावक समाज ने आचार्य महाप्रज्ञ से 2011 का चतुर्मास छापर में करने हेतु जोरदार अर्ज की। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष भानूकुमार नाहटा, तेरापंथ महासभा कोलकाता के महामंत्री बिमल चौरड़िया, बंशीलाल बैद, हुलासमल चौरड़िया, नरपत मालू, प्रदीप सुराणा, सूरजमल नाहटा की अगवाई में हुई अर्ज में सभी श्रावक समाज के लोगों ने आचार्य महाप्रज्ञ के चरणों में अपनी टोपियां रखकर भावपूर्ण अर्ज की। तेरापंथ कन्यामण्डल, तेरापंथ महिला मण्डल ने ''औपा करो करुणेश पावस बग्साओ'' गीत की प्रस्तुति दी। युवाचार्य श्री महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने छापर को चतुर्मास के लिए उपयोगी क्षेत्र बताया।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि युवाचार्य महाश्रमण की छापर में चतुर्मास की भावना है, मेरा भी मन है। आप सब चतुर्मास की योजना एवं पृष्ठभूमि तैयार करें उसके बाद उस पर चिंतन किया जायेगा। चतुर्मास के लिए सब दृष्टियों से चिंतन आवश्यक है।

सबरी से आदिवासी कन्याओं ने लिया आशीर्वाद

गुजरात के औद्योगिक क्षेत्र सूरत के समीप सबरी कन्या छात्रावास से 70 बालिकाओं के एक ग्रुप ने तेरापंथ सभा सूरत के अध्यक्ष विनोद बांठिया, नितिन भाई, अंकेश भाई, कांतिभाई, भरत भाई, राजूभाई चौरड़िया, परम भाई, सूवालाल बोलिया, प्यारेलाल एवं बाबूभाई के नेतृत्व में आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मुनि सुखलाल ने वहां पर संचालित अहिंसा प्रशिक्षण एवं जीवन विज्ञान की गतिविधियों की जानकारी दी। सूरत के 90 ग्रामों में अणुव्रत समिति के तत्वावधान में एवं के.एम. सोनावाला चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बालिका शिक्षा अभियान चलाया जा रहा है।

साध्वियों की स्मृति सभा आयोजित

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में कल (28.1.2009) देवलोक होने वाली साध्वी सुबोध कुमारी एवं सुजानगढ़ में संथारे के साथ स्वर्गवास होने वाली साध्वी रम्यकुमारी की स्मृति सभा आयोजित हुई। इस मौके पर आचार्य महाप्रज्ञ ने साध्वी सुबोध कुमारी की सेवा भावना एवं धर्मसंघ के विकास में की गई यात्राओं का उल्लेख किया और साध्वी रम्य कुमारी की श्रद्धा भावना को उत्औष्ट बताया।

– अशोक सियोल